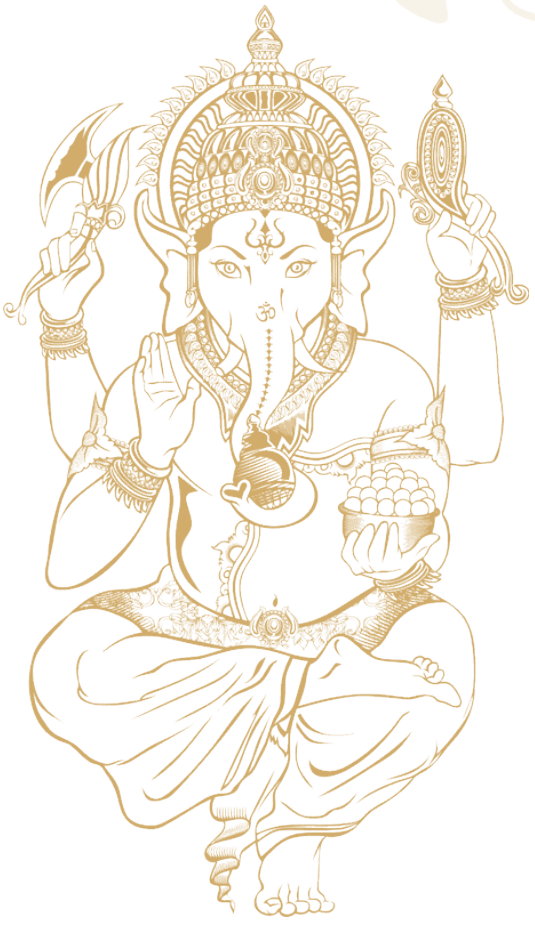

Mr.Aditya Sharma

Ms.Snehi Joshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119801602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/09/1998	जन्म तिथि	15/12/1999
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:15:00	जन्म समय	10:10:00 घंटे
घटी 00:27:54	जन्म समय(घटी)	08:49:04 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Indore
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:50	सूर्योदय	06:58:50
18:21:51	सूर्यास्त	17:43:51
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 9मा 0दि	26:07:18	सिंह	लग्न	मक	15:12:28	राहु 1वर्ष 5मा 19दि
राहु	24:15:30	सिंह	सूर्य	वृश्चि	28:53:39	शनि
12/06/2021	27:13:11	मेष	चंद्र	कुंभ	18:54:39	04/06/2017
12/06/2039	19:41:59	कर्क	मंगल	मक	20:41:58	04/06/2036
राहु 23/02/2024	11:16:17	सिंह	बुध	वृश्चि	11:55:57	शनि 07/06/2020
गुरु 18/07/2026	29:53:43	कुंभ व	गुरु व	मेष	01:12:31	बुध 15/02/2023
शनि 24/05/2029	11:23:10	सिंह	शुक्र	तुला	16:59:59	केतु 26/03/2024
बुध 12/12/2031	09:12:07	मेष व	शनि व	मेष	17:08:52	शुक्र 26/05/2027
केतु 29/12/2032	07:32:46	सिंह व	राहु	कर्क	10:35:51	सूर्य 07/05/2028
शुक्र 30/12/2035	07:32:46	कुंभ व	केतु	मक	10:35:51	चन्द्र 07/12/2029
सूर्य 23/11/2036	15:32:17	मक व	हर्ष	मक	20:09:35	मंगल 15/01/2031
चन्द्र 25/05/2038	05:47:45	मक व	नेप	मक	08:45:46	राहु 21/11/2033
मंगल 12/06/2039	11:38:38	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:57:46	गुरु 04/06/2036

लग्न-चलित

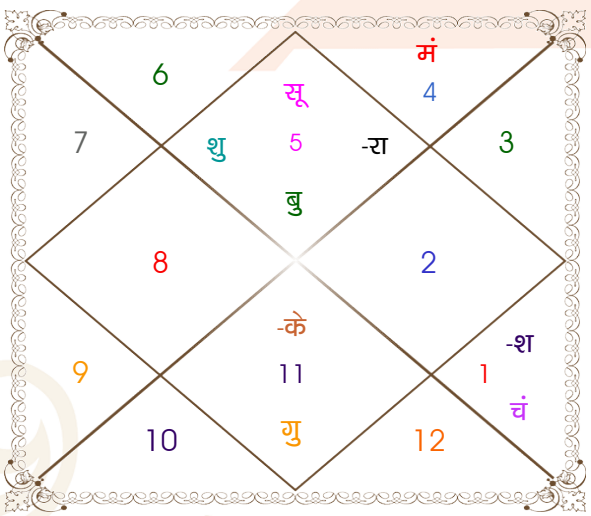

लग्न-चलित

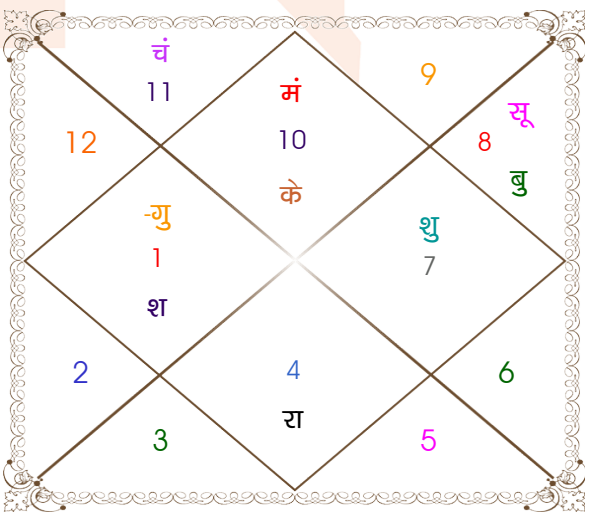

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण ।कपजलॅीतउं का वर्ग गरूड़ है तथा डेैदमीप श्रवीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।कपजलॅीतउं और डेैदमीप श्रवीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।कपजलॅीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ।कपजलॅीतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।कपजलॅीतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेैदमीप श्रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल डेैदमीप श्रवीप कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः

मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेैदमीप श्रवींप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण ।कपजलॅीतउं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।कपजलॅीतउं तथा डेैदमीप श्रवींप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।